

राजस्थान सरकार  
दण्ड विभाग

फॉरमः प 02 प 11 12 रेपे-०/७३

दिनांक १९. १. १९७१

प्रभालीकार : -

राजस्थान वन विभाग अधिकारी, १९५७ के नियम २ के प्रत्यक्ष के अंतर्गत पुद्रारा शास्त्रीयों का पुण्य करने हुए राज्य सरकार राजस्थान राज्य के अंतर्गत शास्त्रीय राज्यों के लिए नियमित जातियों की बन उपज के परिचालन को उसके द्वारा हुए पुण्य करती है:-

पोदा, हू-बूद्धी, गरुदी, दिलापी, बूद्धी,  
हलवाली वृक्ष, देवी वृक्ष और शारीरा.

राजस्थान के आदेश है,

८०/-

१ सन. इन. तारिख।

३५ शासन संचित

प्रतिवर्षीय नियमित वृक्षों वृक्षार्थी एवं आधारक कार्यालयी देहु प्रतिवित है:-

- १- शुष्ठि आपुका, राजस्थान, जयपुर।
- २- पुण्य मुख्य वन नंशक, राजस्थान, जयपुर।
- ३- पुलिया नहानियोग, राजस्थान, जयपुर।
- ४- शासन परिवर्तन, राजस्थान, जयपुर।
- ५- शासन विभाग क्लोनरी।
- ६- शासन मुख्य वन संरक्षणात्।
- ७- शासन वन दंरक्षणात्, राजस्थान।
- ८- शासन पंडित वन अधिकारीगणा/उप वन संरक्षणात्/उप गुरुद्य वन्य प्रतिवालकगणा/वैज्ञानिकोंग, वापि परियोगिना, सरिस्का, राजस्थान।

८०/-

३५ शासन संचित

:: शासन वृक्ष पुष्टि वन नंशक, राजस्थान, जयपुर। अन्यात

फॉरम एक ३६ १२१६९/पुण्य/ ७६६-८७५

दिनांक २३

प्रतिवर्षीय राज्य वन अधिकारीगण को वृक्षार्थी एवं आधारक का